

प्रश्नक,
एसो को माहेश्वरी,
सावित्र,
उत्तराखण्ड शासन
सेवा में,
निदेशक,
विद्यापीठ शिक्षा,
उत्तरांचल, देहरादून।

शिक्षा अग्रभाग-3 देहरादून दिनांक 23 मार्च, 2007

विषय: राजीव गांधी नवोदय विद्यालय सन्तुष्टार, पौड़ी के भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या:नियोजन-4/50728/राज्यगोपि/2006-07 दिनांक 21-12-2006 एवं पत्र संख्या:नियोजन-4/61459/राज्यगोपि/2006-07 दिनांक 06-2-2007 के क्रम में शासनार्थ संख्या 26/XXIV-2/2005 दिनांक 28-1-2005 एवं शासनार्थ संख्या 680/XXIV-3/2006 2(150)/05 दिनांक 22712-2006 के संदर्भ में भूखे यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय राजीव गांधी नवोदय विद्यालय सन्तुष्टार, पौड़ी के भवन निर्माण हेतु राजकीय निर्माण निगम, पौड़ी इकाई के अनुमोदित अगमन की लागत रु0 1313.23 लाख के सापेक्ष पूर्व स्वीकृत धनराशि रु0 561.00 लाख को समायाचित करते हुए देय अवशेष धनराशि रु0 752.23 लाख के सापेक्ष बाक़ बिलिय वर्ष 2006-07 में रु0 150.00 लाख (रुपये एक करोड़ पचास लाख मात्र) की धनराशि को प्रश्नगत योजना में शासनार्थ संख्या: 667/XXIV-3/2006 दिनांक 15-11-2006 द्वारा आपके निवेदन पर रखी गयी धनराशि रु0 300.00 लाख में से नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- प्रश्नगत स्वीकृति निम्न प्रतिबन्धों के अधीन है:-

(1)- अगमन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें डिजिटल आफ्टर में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगी। तदीपरान्त ही अगमन की स्वीकृति मान्य होगी।

- (2) - काय करने से पूर्व विस्तर आगमन/मानविन गति कर
नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी
होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के काय प्रारम्भ न किया जाय।
- (3) - काय पर चलना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नाम है,
स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (4) - एक मूलतः प्राविधान को काय करने से पूर्व विस्तर आगमन गति
कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के
उपरान्त काय टेकअप किया जाय।
- (5) - काय करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के
मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित
दर/विशेषियों के अनुक्रम ही कायों को सम्पादित करना
चाहिए।
- (6) - काय करने से पूर्व स्थल का गतीगति निरीक्षण उच्च
अधिकारियों एवं मगदवेत्ता के साथ अवश्य करा ले। निरीक्षण
के बाद स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण रिपोर्टों
के अनुक्रम काय किया जाए।
- (7) - आगमन से जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है उसी
मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय
कदापि न किया जाय।
- (8) - निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी
प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जानी
वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
- (9) - निर्माण की गणवत्ता के लिए संबंधित निर्माण ऐंजेन्सी
उत्तरदायी होगी। अनुमोदित लागत पर ही निर्माण काय को
पूरा किया जाय। किसी भी दशा में आगमनों को पुनरीक्षित
नहीं किया जायेगा।
- (10) - यदि स्वीकृत धनराशि में स्थल विकास काय संभव न हो, तो
काय करने से पूर्व विस्तर आगमन मानविन गति कर शासन
से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, स्वीकृति राशि से अधिक कदापि
व्यय न किया जाय।
- (11) - निर्माण कायों की मौलिक एवं वित्तीय प्रगति के विवरण प्रत्येक
माह की 15 तारीख तक निर्माण संस्था द्वारा विभाग/संस्था
को उपलब्ध कराये जायेंगे।
- (12) - विभाग काय की गणवत्ता एवं प्रगति की वैकिंग की व्यवस्था
थर्डपार्टी से करायेगी तथा इस का व्यय सेन्ट्रल बजट में निहित
धनराशि से वहन होगा।

3- निर्माण कार्य की गुणवत्ता के लिए कार्यदायी संस्था के संबंधित अभियन्ता उत्तरदायी होंगे।

4- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखा शीर्षक- 4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय- 01-सामान्य शिक्षा -202-माध्यमिक शिक्षा- आयोजनागत - 00 - 16- राजीव गाँधी नवोदय विद्यालय के भवनों का निर्माण-24- वृहत निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

5- यह आदेश वित्त विभागके अशासकीय संख्या-1838/ वित्त (व्यय-नियंत्रण)अनुभाग-3/2007 दिनोंक 19-3-2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0 के0 माहेश्वरी)
सचिव

संख्या: ११ (1)/ XXIV-3/2006 तददिनोंक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री जी।
- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री जी।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल- पौड़ी।
- 6- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल- पौड़ी।
- 7- बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 8- जिलाधिकारी, पौड़ी।
- 9- कोषाधिकारी, पौड़ी।
- 10- जिला शिक्षा अधिकारी, पौड़ी।
- 11-सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी।
- 12- वित्त विभाग/ नियोजन प्रकोष्ठ।
- 13- कम्प्यूटर रोल (वित्त विभाग)
- 14- एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 15- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(राजेन्द्र सिंह)
उप सचिव